SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

HISTORY BY

SUJEET BAJPAI SIR

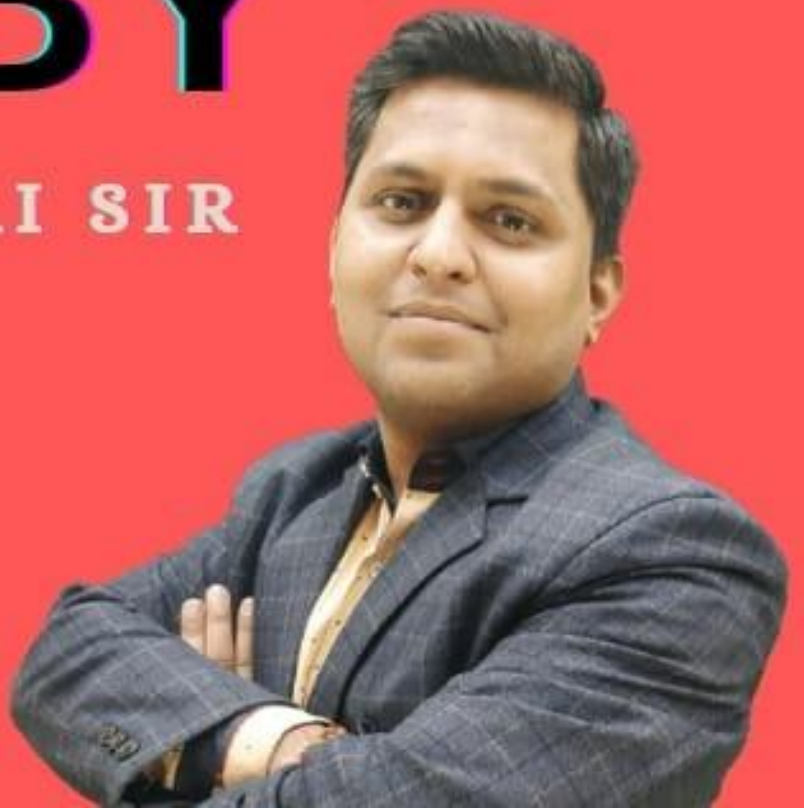

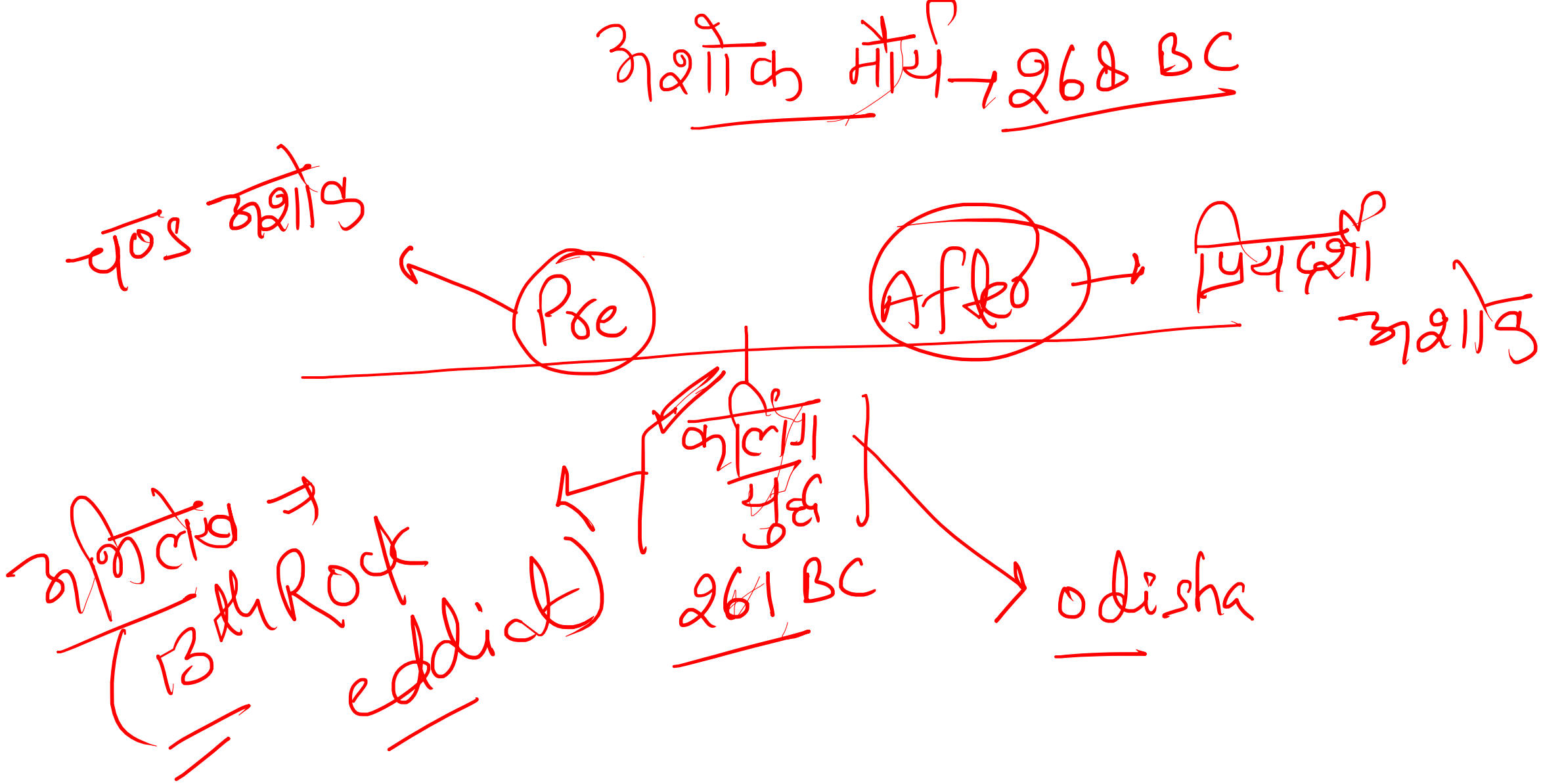

अशोक मौर्य → 268 BC

चण्ड अशोक ← Pre

After → प्रियदर्शी अशोक

कलिंग युद्ध
261 BC

→ odisha

अभिलेख → (13th Rock eddict)

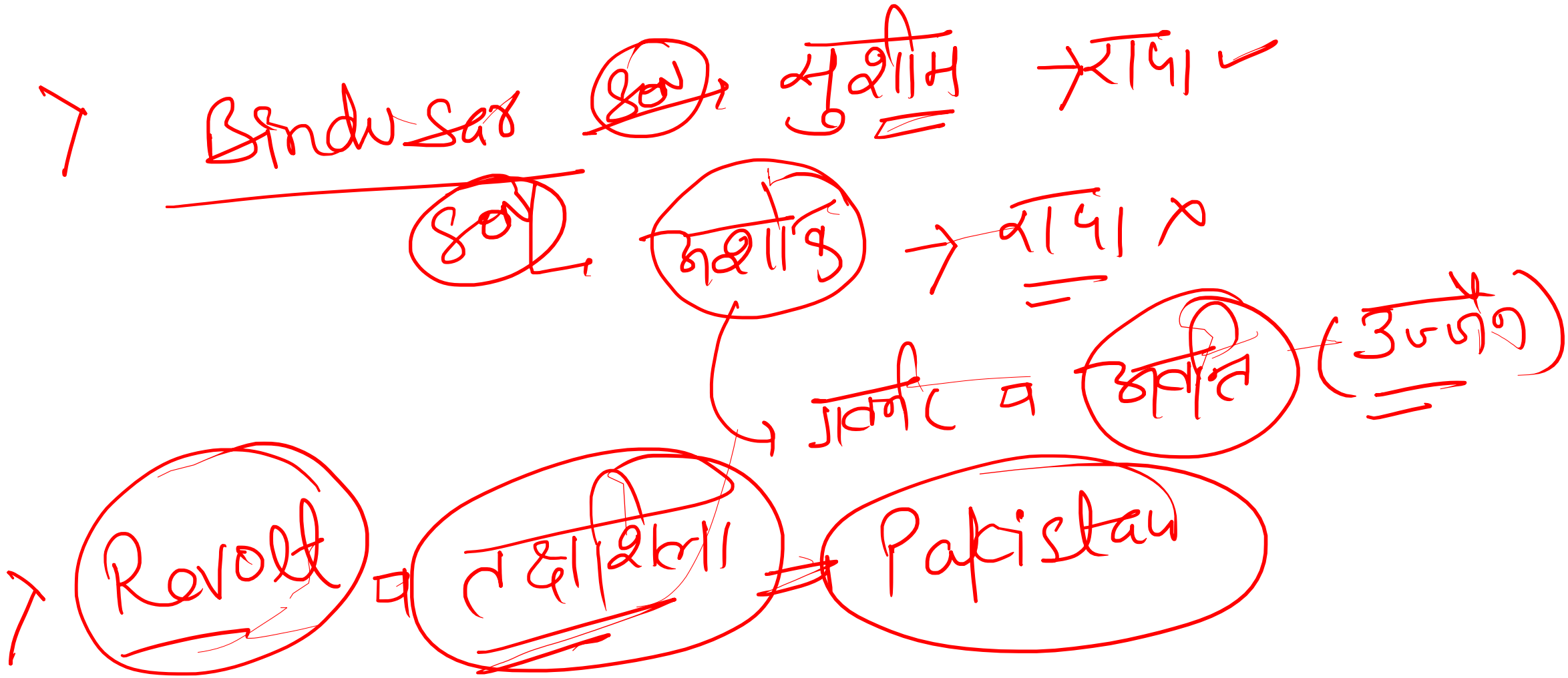

→ Bindusar Son → सुशीम → राजा ✓

Son → अशोक → राजा ✗

→ गवर्नर व अवंति (उज्जैन)

→ Revolt व तक्षशिला → Pakistan

अशोक

★इसका आधिकारिक नाम देवनामप्रिय था |

★इसका नाम अशोक मास्की और गुर्जरा के अभिलेख से प्राप्त हुआ था |

★अशोक ने कलिंग पर 261 B.C. में आक्रमण किया था और इसकी जानकारी 13वें शिलालेख से मिलती है |

★अशोक ने उपगुप्त(भोगलीपुत्र) के द्वारा बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था |

Ashok

- Its official name was Devnamdarling.
- It was derived from the records of Ashok Maski and Gurjara.
- Ashoka had invaded Kalinga in 261 B.C. and is known by the 13th inscription.
- Ashoka had accepted Buddhism by Upgupta (Mogliputta).

★ अशोक अपनी पत्नी कौरवकी से प्रभावित था |

★ अशोक ने लुम्बिनी की यात्रा की थी और नेपाल में बौद्ध धर्म आरंभ किया था|

★ अशोक के चौथे अभिलेख से धम्म की जानकारी प्राप्त होती है |

★ तीसरी बौद्ध संगीति(251B.C.) अशोक के समय में हुयी थी। (पाटलीपुत्र)

- Ashok was influenced by his wife Kaurvaki.
- Ashok had travelled to Lumbini and started Buddhism in Nepal.
- The fourth inscription of Ashoka gives information about Dhamma.
- The third Buddhist council (251 B.C.) was in Ashoka's time. (Patliputra)

★ अशोक ने अपने अभिलेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक, अरामाइक लिपियों का प्रयोग कराया था |

★ अशोक के अभिलेखों को पढने वाला प्रथम व्यक्ति जेम्स प्रिन्सेप था |

★ अशोक ने साँची(M.P.) और सारनाथ(U.P.) में स्तम्भ अभिलेखों का निर्माण करवाया था |

★ अशोक ने अपनी पुत्री संघमित्रा और पुत्र महेंद्र को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा था|

- Ashoka used Brahmi, Kharothi, Greek, Aramic scripts in his records.
- The first person to read Ashoka's inscription was James Princep.
- Ashoka had constructed pillar inscriptions at Sanchi (M.P.) and Sarnath (U.P.).
- Ashok had sent his daughter Sanghamitra and son Mahendra to Sri Lanka to spread Buddhism.

Ashoka also Repaired Sudarshan Lake
सुदर्शन झील

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

★ अशोक और इसके पौत्र दशरथ ने आजीवकों के लिए गुफाओं का निर्माण करवाया था |

★ अशोक ने जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर की स्थापना की थी |

★ मौर्य वंश के अंतिम शासक ब्रहद्रथ की हत्या उसके सेनापती पुष्यमित्र शुंग ने की थी |

- Ashoka and his grandson Dasrath had built caves for the Ajivak.
- Ashok had established Srinagar in Jammu and Kashmir.
- Brahadratha, the last ruler of the Mauryan dynasty, was murdered by his army chief Pushyamitra Shung.

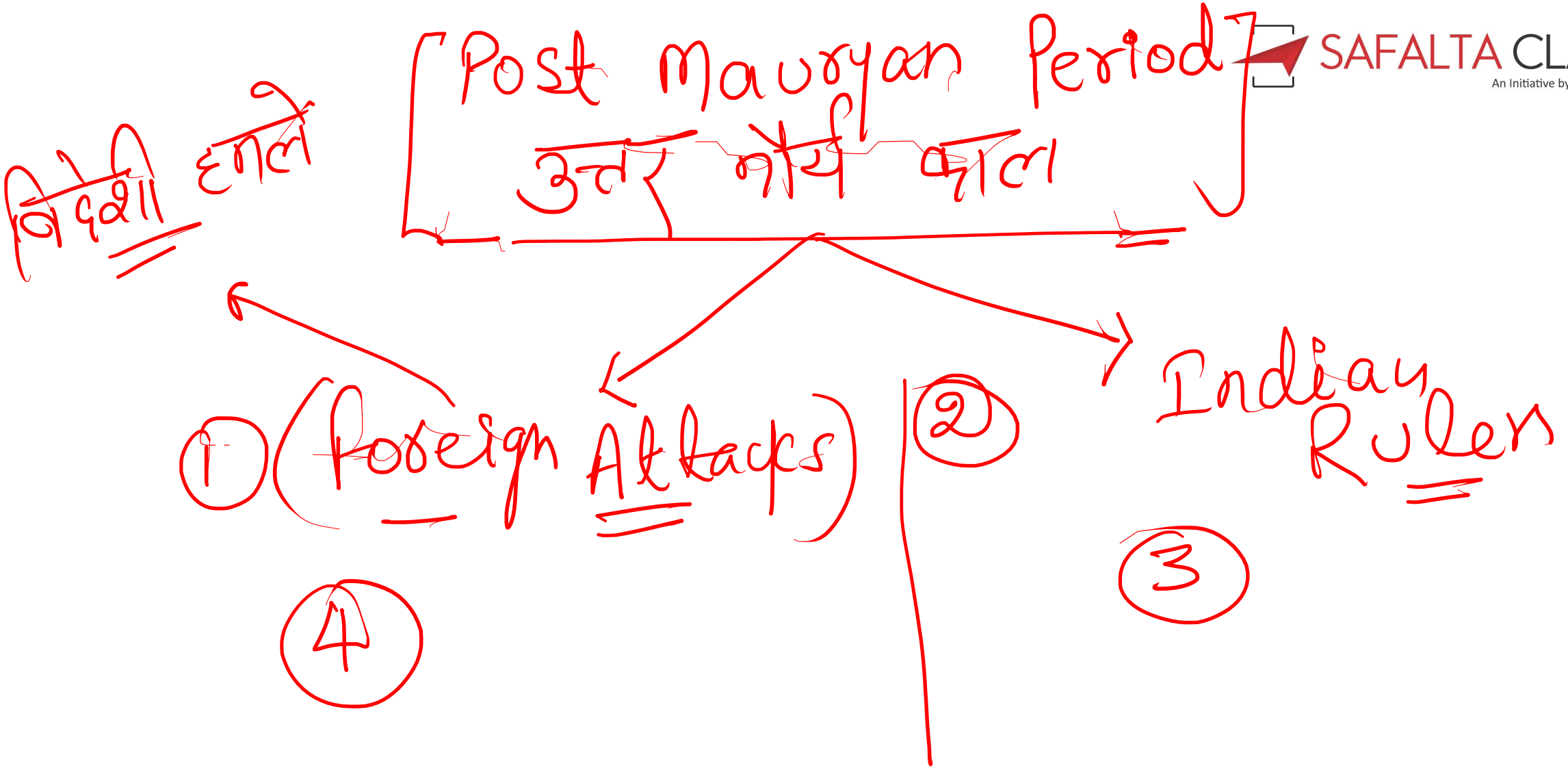

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

[Post Mauryan Period]

उत्तर मौर्य काल

विदेशी हमले

① (Foreign Attacks)

②

Indian Rulers

③

④

उत्तर मौर्य काल

विदेशी हमले:

1) हिन्द यूनानी
2) शक या सीथियन
3) पार्थीयन या पहलव
4) कुषाण

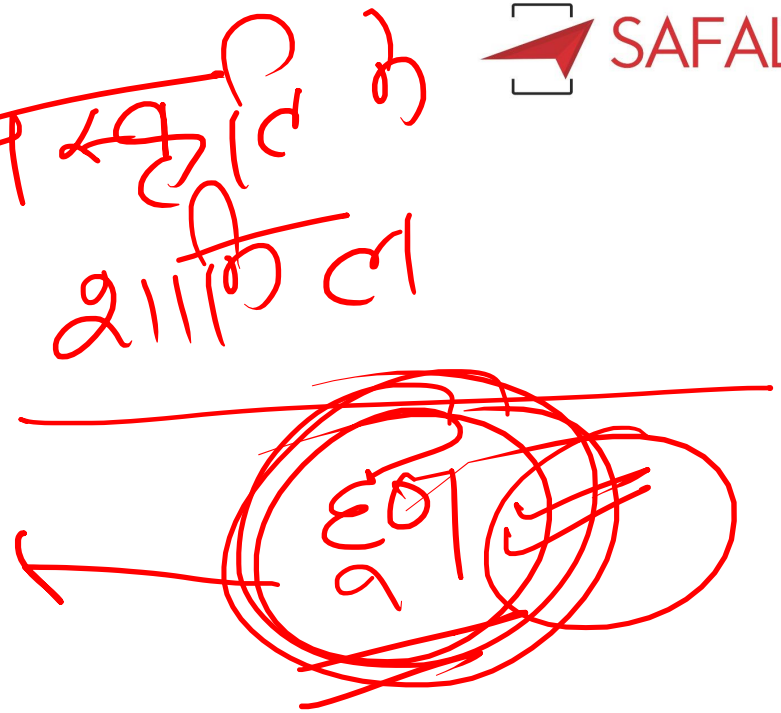

Post Mauryan Period

Foreign attacks:

1) Indo Greek
2) Shaka or Scythian
3) Parthian or Pahalava
4) Kushan

हिन्द-यूनानी

★इस वंश का प्रसिद्ध शासक मिनांडर(मिलिंद) था|

★राजधानी- Sakal(Siyalkot)

★मिनांडर ने नागसेन के द्वारा बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था |

★The famous ruler of this dynasty was Minander (Milind).

★Capital - Sakal(Siyalkot)

★Minader had accepted Buddhism by Nagsen.

★ नागसेन ने मिलिन्द्पन्हो नामक एक पुस्तक लिखी थी |

★ हिन्द-यूनानियों ने भारत में गांधार कला को आरम्भ किया था |

★ गांधार कला को हिंदी-यूनानी कला भी कहते हैं|

★ Nagsen wrote a book called Milindpanho.

★ The Indo-Greeks started Gandhar art in India.

★ Gandhar art is also called Indo-Greek art.

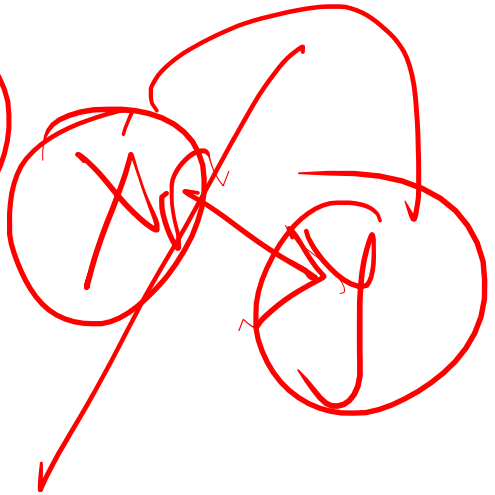

★Note:

★हिन्द-यूनानियों ने भारत में सोने के सिक्के आरम्भ करवाए थे |

★सर्वाधिक शुद्धता वाले सोने के सिक्के कुषाण राजाओं ने चलाये थे |

★सर्वाधिक संख्या में सोने के सिक्के गुप्त राजाओं ने चलवाए थे।

★The Indo-Greeks had introduced gold coins in India.

★The purest gold coins were issue by the Kushan kings.

★The highest number of gold coins were issued by the Gupt kings.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

शक

★इस वंश का प्रसिद्ध शासक- रुद्रदमन प्रथम था |

★इसने सुदर्शन झील की मरम्मत करवाई थी |

★इसने जूनागढ़ अभिलेख का निर्माण करवाया था |

★Rudradaman was the first famous ruler of this lineage.

★He had repaired Sudarshan Lake.

★He constructed Junagarh inscription.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

3

कुषाण

★इस वंश का प्रसिद्ध शासक कनिष्क था |

★कनिष्क ने 78 A.D. में शक सम्वत को आरंभ किया था |

★कनिष्क को दूसरा अशोक भी कहते हैं |

★राजधानियाँ - पुरुषपुर(पेशावर) & मथुरा

★कनिष्क ने चीन के साथ रेशम मार्ग को आरम्भ किया था|

(Trade Route)

Kushan

- The famous ruler of this lineage was Kanishk.
- Kanishk started Saka Samvat in 78 A.D.
- Kanishk is also called the second Ashoka.
- Capitals - Purushpur (Peshawar) & Mathura.
- Kanishk started the Silk Road with China.

★ चौथी बौद्ध संगीति कनिष्क के समय में हुयी थी |

★ कनिष्क की उपाधि "देवपुत्र" थी |

★ मथुरा संग्रहालय का सम्बन्ध कुषाण काल से है|

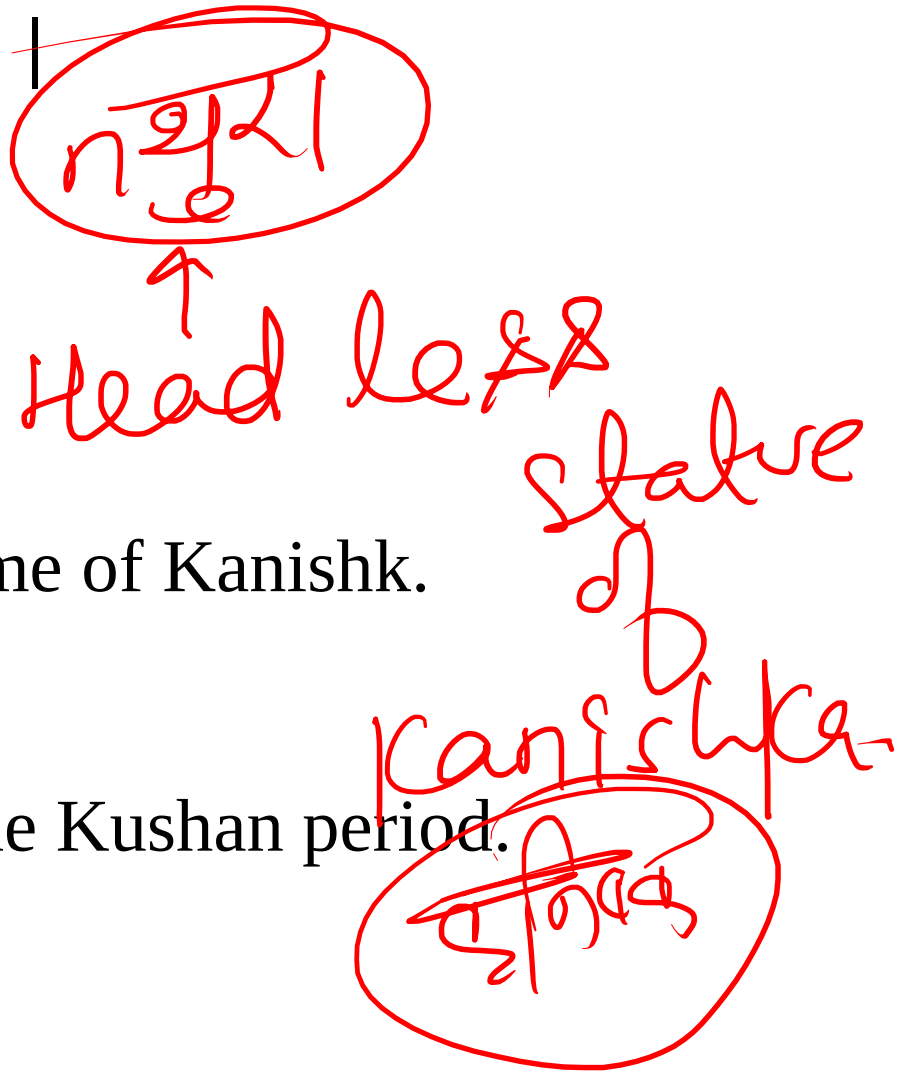

★ The fourth Buddhist council was held in the time of Kanishk.

★ Kanishk's title was "Devputra".

★ The Mathura Museum has been associated with the Kushan period.

कनिष्क के दरबारी :

(i) चरक : वैद्य

(ii) वसुमित्र : बौद्ध विद्वान

(ii) अश्वघोष- इन्होने बुद्धचरित नामक पुस्तक लिखी थी।

(iii) नागार्जुन- इन्होने शून्यवाद का सिद्धांत दिया था। नागार्जुन को भारत का आइन्स्टीन कहा जाता है |

The courtiers of Kanishk:

(i) Charak : Vaidya

(ii) Vasumitra : Buddhist scholar

(ii) Ashwaghosh- He wrote a book titled “Buddhacharit".

(iii) Nagarjuna- He gave the principle of Zeroism. Nagarjuna is called the Einstein of India.

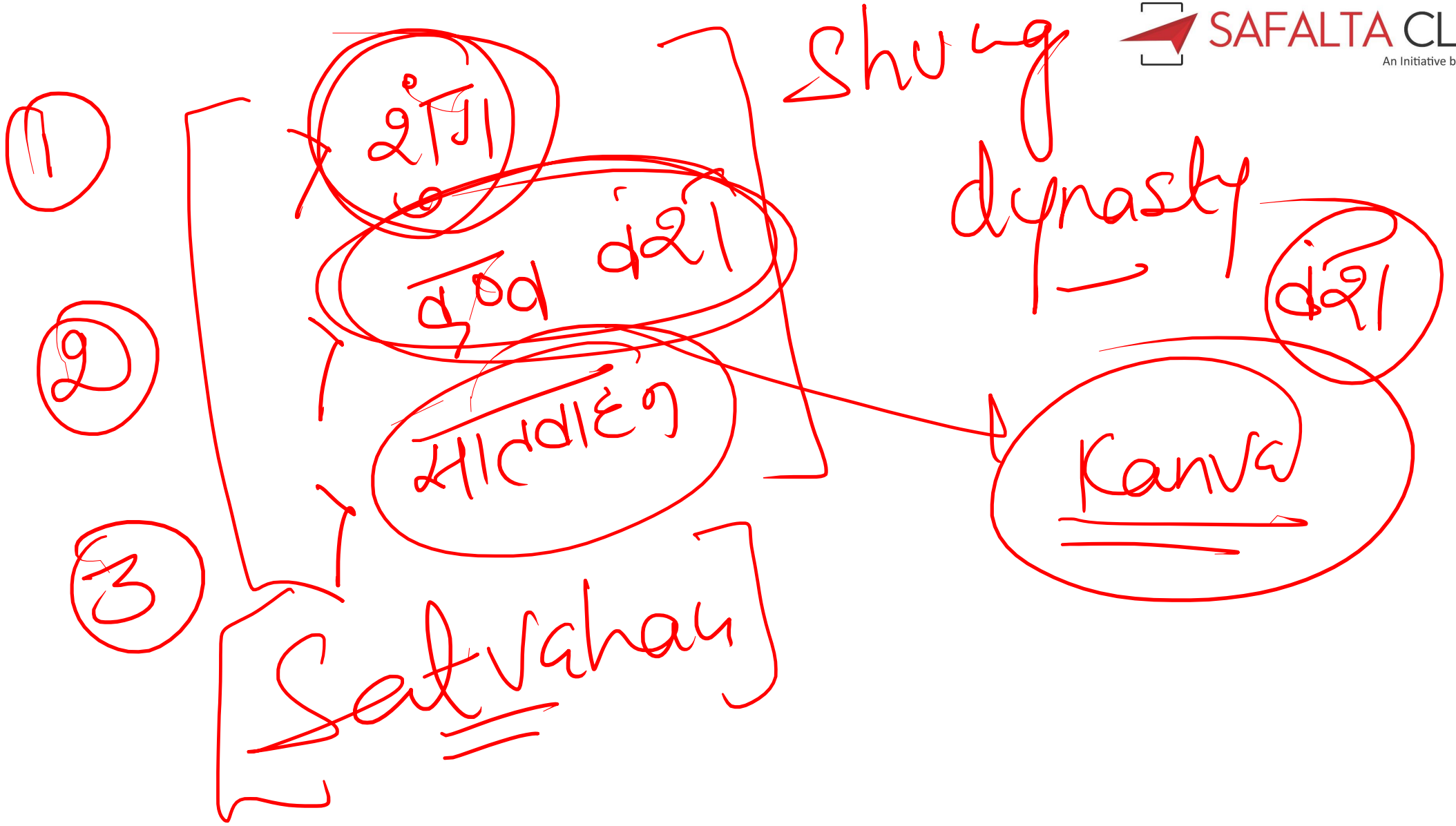

1. शुंग — Shung dynasty
2. कण्व वंश — Kanva वंश
3. सातवाहन — Satvahan

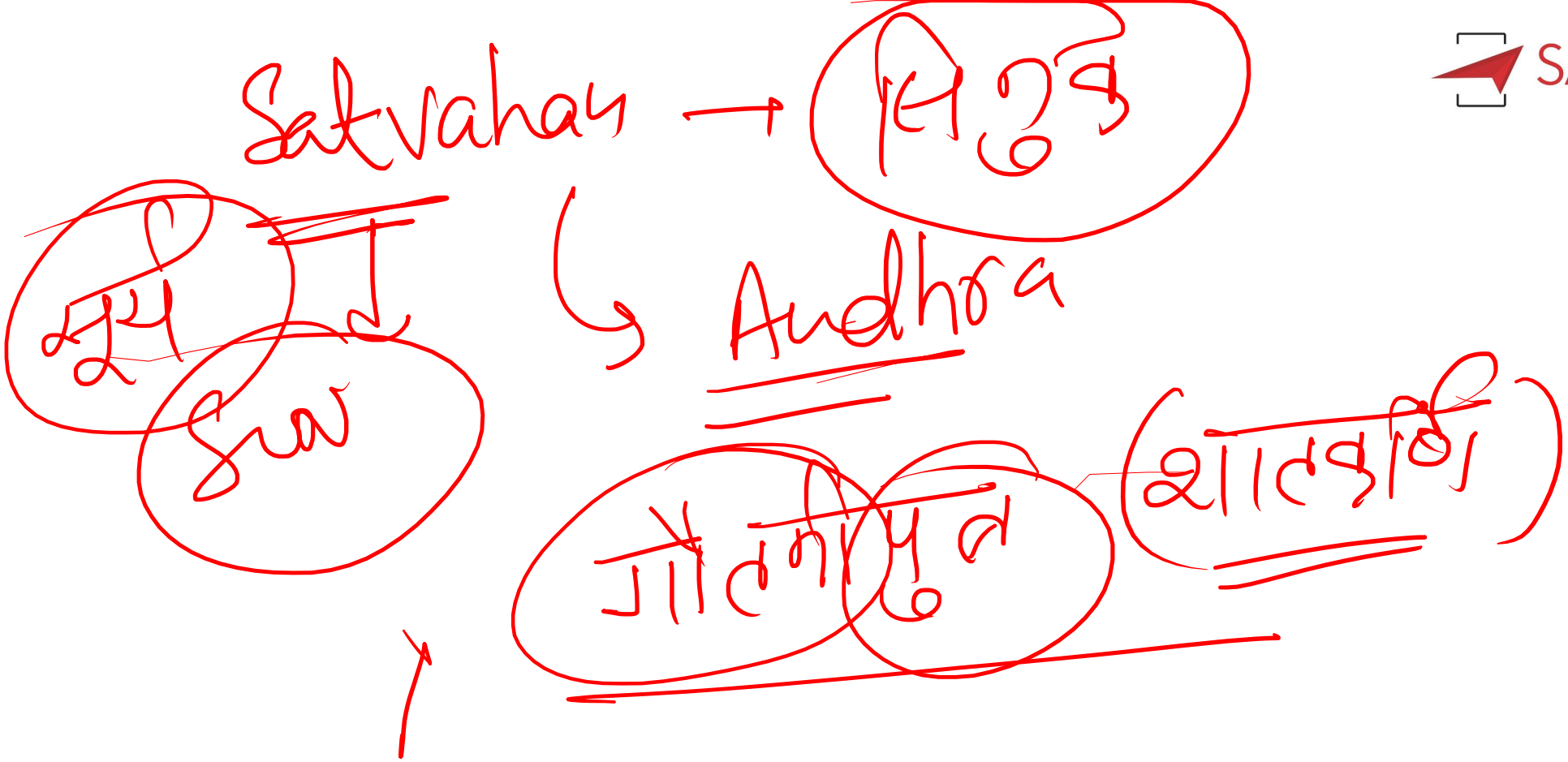

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

Satvahan → सिमुक

सूर्य

Sun

Andhra

गौतमीपुत्र (शातकर्णि)

गुप्त साम्राज्य

★ संस्थापक- श्रीगुप्त

★ प्रसिद्ध शासक – चन्द्रगुप्त प्रथम

★ चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319 A.D. में गुप्त सम्वत का आरम्भ किया था|

★ इसने लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया था |

Gupt Empire

- Founder- Srigupta
- Famous Ruler – Chandragupta-1st
- Chandragupta -1st started Gupta Samvat in 319 A.D.
- He married with Lichchvi Princess Kumar Devi.

समुद्रगुप्त

★ इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है|

★ ये गुप्त वंश का पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत को जीता था|

★ Title- 1. कविराज 2. पराक्रमांक 3. लिच्छवीदौहित्र (लिच्छवी माता का पुत्र)

4. अश्वमेध यज्ञ कर्ता

चक्रवर्ती

SamudraGupta

- It is called Napoleon of India.
- It was the first ruler of the Gupta dynasty who won South India.
- Titles- 1. Kaviraj
  2. Parkramank
  3. Lichchvidauhitra (Son of Lichchavi Mother)
  4. Ashvamedha yajna karta

★ इसने प्रयाग प्रशस्ति का निर्माण करवाया था |

★ इस प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने की थी |

★ समुद्रगुप्त को परमभागवत भी कहते थे |

- He constructed Prayag Commendation.
- This commendation was composed by Harishen.
- Samudragupta was also called Parambhagwat.